



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 199]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 1993/चैत्र 10, 1915

No. 199]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 31, 1993/CHAITRA 10, 1915

इस भाग में भिन्न दृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1993

आयकर

का.आ. 221 (अ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (छठा संशोधन) नियम, 1993 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1993 को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 के नियम 67 में,—

(क) उपनियम (1) के स्पष्टीकरण के खंड (ii) में, “(1970 का 5) की धारा 3 के अधीन” कोष्ठक, अंक और शब्दों के पश्चात् “या बैंक कारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) की धारा 3 के अधीन” शब्द, अंक और कोष्ठक अंतः स्थापित किए जायेंगे ;

(ख) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट विनिधान की रीति निम्नलिखित है, अर्थात् :—

(i) किसी राज्य सरकार द्वारा विनिधान योग्य धन-  
सृजित और जारी की गई राशि का पन्द्रह  
लोक ऋण अधिनियम, प्रतिशत;  
1944 (1944 का 18) की  
धारा 2 में यथापरिभाषित  
सरकारी प्रतिभूतियों में; या  
किन्हीं अन्य परक्राम्य प्रति-  
भूतियों में, जिनका मूलधन और  
उस पर व्याज केन्द्रीय सरकार  
या किसी राज्य सरकार  
द्वारा पूर्ण रूप से ओर बिना  
किसी शर्त के प्रत्याभूत है।

(ii) केन्द्रीय सरकार की विशेष विनिधान योग्य धन-  
निक्षेप स्कीम में - राशि का सतर  
प्रतिशत;

(iii) किसी लोक वित्तीय संस्था विनिधान योग्य धन-  
या पब्लिक सेक्टर कम्पनी राशि का पन्द्रह  
या पब्लिक सेक्टर बैंक द्वारा प्रतिशत;  
जारी किए गए बंधपत्रों या  
प्रतिभूतियों में,

परन्तु जहाँ कोई धनराशि 31 मार्च, 1993 तक इस  
निमित्त प्रवृत्त विनिधान की रीति के अनुसार किए गए  
निक्षेपों के परिपक्व होने पर प्राप्त की जाती हैं वहाँ ऐसा  
धनराशि इस उपनियम में विनिर्दिष्ट विनिधान की रीति के  
अनुसार विनिधान की जा सकेगी।

स्पष्टीकरण 1—इस उपनियम में विनिर्दिष्ट विनिधान की  
रीति पूर्व वर्ष में निधि की विनिधान योग्य धनराशि की  
सकल रकम को लागू होगी।

स्पष्टीकरण 2—इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए,—

- (i) "लोक वित्तीय संस्था" पद का वही अर्थ होगा जो  
कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1)  
की धारा 4क में है;
- (ii) "पब्लिक सेक्टर कंपनी" पद का वही अर्थ  
होगा जो आयकर अधिनियम की धारा 2 के  
खंड (36क) में है; और
- (iii) "पब्लिक सेक्टर बैंक" पद का वही अर्थ होगा  
जो आयकर अधिनियम की धारा 10 के खंड  
(23ब) में है।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March, 1993

### INCOME-TAX

S.O. 221(E) :—In exercise of the powers conferred  
by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961), the Central Board of Direct Taxes hereby  
makes the following rules further to amend the  
Income-tax Rules 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax  
(Sixth Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the 1st day  
of April, 1993.

2. In the Income-tax Rules, 1962, in rule 67,—

(a) in sub-rule (1), in the Explanation in clause  
(ii), after the figures and brackets "1970  
(5 of 1970)", the words, figures and brackets  
"or under section 3 of the Banking Com-  
panies (Acquisition and Transfer of Under-  
takings) Act, 1980 (40 of 1980)," shall be  
inserted;

(b) for sub-rule (2), the following sub-rule shall  
be substituted, namely:—

"(2) The manner of investment referred to in  
sub-rule (1) is the following, namely:—

(i) in Government securities fifteen per  
as defined in section 2 of cent. of the  
the Public Debt Act, 1944 investible  
(18 of 1944), created and moneys;  
issued by any State Govern-  
ment; or in any other nego-  
tiable securities, the princi-  
pal whereof and interest  
whereon is fully and uncon-  
ditionally guaranteed by  
the Central Government  
or any State Government,

(ii) in Central Government Seventy per  
Special Deposit Scheme cent. of the  
investible  
moneys;

(iii) in bonds or securities fifteen per  
issued by a public financial cent. of the  
institution or a public investible  
sector company or a moneys :  
public sector bank

[सं. 9266/फा.सं./149/19/93—टी पी एल]

सुनील चोपड़ा, निदेशक (टी.पी.एल.)

Provided that where any moneys are received on the maturity of deposits made in accordance with the manner of investment in force in this behalf upto the 31st day of March, 1993, such moneys may be invested in accordance with the manner of investment specified in this sub-rule.

Explanation 1 : The manner of investment specified in this sub-rule shall apply to the aggregate amount of investible moneys with the fund in the previous year.

Explanation 2 : For the purposes of this sub-rule, —

- (i) the expression "public financial institution" shall have the meaning assigned to it in section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (ii) the expression "public sector company" shall have the meaning assigned to it in clause (36A) of section 2 of the Income-tax Act, and
- (iii) the expression "public sector bank" shall have the meaning assigned to it in clause (23D) of section 10 of the Income-tax Act".

[No. 9266/F. No. 149/19/93-TPL]  
SUNIL CHOPRA, Director (TPL)

